Question Paper Code : 21172

B.A. (Semester-I) (NEP) Examination, 2023

(Regular/Imp.) (Major)

HINDI

[Paper : Second]

(भक्तिकालीन हिन्दी काव्य)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 75

निर्देश: **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. निम्नलिखित पद्यावतरण की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए- [15]

साखी आंखी ज्ञान की, समुझ देखि मन मांहि।

बिनु साखी संसार का, झगरा छूटत नांहि।।

पीछे लागा जाइ था, लोक वेद के साथि।

आगै थैं सतगुर मिल्या, दीपक दीया हाथि।।

https://www.lucknowstudy.com

2. निम्नलिखित पद्यावतरण की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए- [15]

धरी तीर सब कंचुकि सारी। सरवर महँ पैठीं सब बारी।

पाइ नीर जानौं सब बेली। हुलसहिं करहिं काम कै केली।

करिल केस बिसहर बिस-भरे। लहरैं लेहिं कवँल मुख धरे।

नवल बसंत सँवारी करी। होइ प्रगट जानहु रस भरी।

उठी कोंप जस दारिवँ दाखा। भई उनंत पेम कै साखा।

सरिवर नहिं समाइ संसारा। चाँद नहाइ पैठ लेइ तारा।

धनि सो नीर ससि तरई ऊई। अब कित दीठ कमल औ कूई।।

चकई बिछुरि पुकारै, कहाँ मिलौं, हो नाहँ।

एक चाँद निसि सरग महँ, दिन दूसर जल माहँ।।

3. निम्नलिखित पद्यावतरण की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए- [15]

काहै कौं गोपीनाथ कहावत।

जौ मधुकर वै स्याम हमारे, क्यौं न इहाँ लौं आवत।

सपने कौ पहिचानि मानि जिय, हमहिं कलंक लगावत।

जो पै कृष्न कूबरी रीझे, सोइ किन बिरद बुलावत।

ज्यौं गजराज काज कै औरै, औरै दसन दिखावत।

ऐसैं हम कहिबे सुनिबे कौं, सूर अनत बिरमावत।।

https://www.lucknowstudy.com

4. निम्नलिखित पद्यावतरण की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए- [15]

मुखिया मुख सों चाहिए खान पान कहुँ एक।
पालइ पोषइ सकल अंग तुलसी सहित बिबेक।।
बरसत हरसत लोग सब करषत लखै न कोइ।
तुलसी प्रजा सुभाग से भूप भानु सो होइ।।

5. कबीर के समाज-सुधारक रूप का विश्लेषण कीजिए। [15]

6. जायसी के काव्य-वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। [15]

7. सूरदास की भक्ति-भावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए। [15]

8. सूर के वात्सल्य वर्णन के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। [15]

9. तुलसीदास की काव्यगत विशेषताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए। [15]

10. मीरा की भक्ति-भावना पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। [15]

----- x -----

https://www.lucknowstudy.com